प्री.बोर्ड परीक्षा 2023–24 R/11/190

विषय – हिन्दी

समय: 3.00 घंटे कक्षा– 10 पूर्णांक: 70

नोट :– (1) प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित है– खण्ड 'अ' व खण्ड 'ब'।

(2) खण्ड – (अ) में 20 अंक के बहुविकल्पीय प्रश्न दिए गए है जिनके उत्तर ओ.एम.आ. उत्तर पत्रक पर देने है।

(3) खण्ड (ब) में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न दिये गए है प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख निर्धारित अंक अंकित है।

खण्ड (अ)

1. शुक्ल युग के सशक्त आलोचक एवं निबन्धकार है–
(अ) रामचन्द्र शुक्ल (ब) प्रतापनारायण मिश्र (स) राधाचरण गोस्वामी (द) राधाकृष्ण दास

2. लहरों के राजहंस के लेखक का नाम है–
(अ) मोहन राकेश (ब) प्रेमधन (स) गुलाबराय (द) रामधारी सिंह दिनकर

3. विंध्य के बासी उदासी वपोव्रतधारी महा बिनु नारि दुखारे। में रस की पहचान कीजिए–
(अ) हास्य रस (ब) शान्त रस (स) करूण रस (द) रौद्र रस

4. जो सुमिरत सिधि होई गननायक करिवर बदन, करहु अनुग्रह सोय, बुद्धि–रासि सुभ–गुन–सदन इन पंक्तियों में कौन सा छन्द है।
(अ) सोरठा (ब) रोला (स) दोहा (द) चौपाई

5. पीपर पात सरस मन डोला में कौन सा अलंकार है।
(अ) उपमा (ब) उत्प्रेरक्षा (स) रूपक (द) अनुप्रास

6. 'सुदर्शन' शब्द में उपसर्ग है–
(अ) निर् (ब) सु (स) सहृदय (द) आ

7. 'पन' प्रत्ययुक्त शब्द है–
(अ) बचपन (ब) बच्चा (स) बचाव (द) बलवान

8. 'दशानन' का समास–विग्रह है–
(अ) दस हैं मुख जिसके (रावण) (ब) दस है मुख जिसके (विष्णु)
(स) दिशाएँ ही हैं वस्त्र जिसके अर्थात् नग्न (द) दस है आँखे जिसकी (पार्वती)

9. काज शब्द का तत्सम रूप है–
(अ) कार्य (ब) कर्म (स) छिद्र (द) श्रम

10. मध्यवरि: का सन्धि विच्छेद है–
(अ) मध+वरि: (ब) मधु+वरि: (स) मधु+अरि: (द) मध्व+वरि:

11. 'नदीनाम्' रूप है नदी शब्द का–
(अ) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन (ब) तृतीया विभक्ति , द्विवचन
(स) प्रथमा विभक्ति बहुवचन (द) चतुर्थी विभक्ति द्विवचन

12. 'पठिष्यसि' रूप है 'पठ्' धातु का–
(अ) लृट् लकार, मध्यम पुरूष, एकवचन (ब) लट् लकार, प्रथम पुरूष, बहुवचन
(स) लङ्लकार, उत्तम पुरूष, एकवचन (द) लोट् लकार, प्रथम पुरूष, बहुवचन

13. उपन्यास भूले–बिसरे चित्र के लेखक है–
(अ) प्रेमचन्द (ब) भगवती चरण वर्मा (स) यशपाल (द) वृन्दावन लाल वर्मा

14. शुक्लोत्तर युग की समय–सीमा है–
(अ) 1938 ई. से 1980 ई. तक (ब) 1850 ई. से 1900 ई. तक
(स) 1900 ई. से 1920 ई. तक (द) 1936 ई. से 1947 ई. तक

PDF Hindustanknowledge.com

15 कलम का सिपाही के लेखक है–
(अ) अमृत राय (ब) गुलाब राय (स) मुंशी इंशा अल्ला खाँ (द) वैद्यनाथ मिश्र

16 रस मीमासा के लेखक है–
(अ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ब) गुलाबराय
(स) जय प्रकाश भारती (द) महादेवी वर्मा

17 निम्न मे प्रयोगवाद की विशेषता है–
(अ) घोर वैयक्तिकला (ब) समाज का यथार्थवादी चित्रण
(स) नारी के प्रति परिवर्तित दृष्टिकोण (द) श्रृंगार और प्रेम वेदना

18 रीतिकाल की प्रमुख विशेषताएँ कौन सी है–
(अ) श्रृंगार रस की प्रधानता (ब) काव्य में कला पक्ष की प्रधानता
(स) देश–प्रेम की भावना (द) विकल्प (क) व (ख) दोनों

19. अश्व शब्द के पर्यायवाची है–
(अ) तुरंगबाजि (ब) पिक परभृत (स) विहंग, द्विज (द) मर्कट, कपि

20. दुर्भाग्य का विलोम है–
(अ) सौभाग्य (ब) निर्भाग्य (स) अभाग्य (द) कुभाग्य

खण्ड (ब)

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए:–3×2=6

(क) जिन्दगी को मौत के पंजो से मुक्त कर उसे अमर बनाने के लिए आदमी ने पहाड़ काटा है किस तरह इंसान की खूबियों की कहानी सदियों बाद आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचायी जाए, इसके लिए आदमी ने कितने ही उपाय सोचे और किये। उसने चट्टानों पर अपने संदेश खोदे, ताड़ों से ऊँचे धातुओं से चिकने पत्थर के खम्भे खड़े किए, ताँबे और पीतल के पत्थरों पर अक्षरों के मोती बिखेरे और उसके जीवन मकरण की कहानी सादियों के उतार पर सरकती चली आयी, चली आ रही है जो आज हमारी अमानत विसारत बन गई है।

(अ) प्रस्तुत गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) व्यक्ति ने आगामी पीढ़ी तक अपनी बातों को पहुँचाने के लिए क्या–क्या किया?

(ख) भिन्न भिन्न धर्मो को मानने वाले भी, जो सारी दुनिया के सभी देशों में बसे हुए है, यहाँ भी थोड़ी बहुत संख्या में पाये जाते है और जिस तरह यहाँ की बोलियों की गिनती आसान नहीं, उसी तरह यहाँ भिन्न–भिन्न धर्मो के सम्प्रदायों की भी गिनती आसान नहीं। इन विभिन्नताओं को देखकर अगर अपरिचित आदमी हड़बड़ाकर कह उठे कि यह एक देश नहीं, अनेक देशों का समूह है यह एक जाति नहीं अनेक जातियों का समूह है तो इसमें आश्चर्य की बात नहीं, क्योंकि ऊपर देखने वाले को, जो गहराई में नहीं जाता, विभिन्नता ही देखने में आयेगी।

(अ) प्रस्तुत गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ब) भारत की बोलियों और सम्प्रदायों के संबंध में क्या बताया गया है?
(स) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

2. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–3×2=6

(क) ऊधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाही।
वृन्दावन गोकुल बन उपबन , सघन कुंज की छाहीं।।
प्रात समय माता जसुमति अरू नंद देखि सुख पावता
माखन रोटी दध्यौ सजायौ, अति हित साथ खवावत।।
गोपी ग्वाल बाल सँग खेलत, सब दिन हँसत सिरात।
सूरदास धनि–धनि ब्रजबासी, जिनसों हित जदु–तात।।

PDF Hindustankknowledge.com

(अ) प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ब) रेखांकित अश की व्याख्या कीजिए।
(स) उपर्युक्त पद मे जदुतात किसे कहा गया है।

(ख) सुनि सुन्दर बैन सुधारस–साने, सयानी है जानकी जानी भली।
तिरछे करि नैन दै सैन तिन्हे, समुझार कछू मुसकार चली।।
तुलसी तेहि औसर सोहै सबै, अवलोकति लोचन लाहू अली।
अनुराग–तड़ाग में भानु उदै, बिगसीं मनो मंजुल कंज कली।।
(अ) प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) अनुराग तड़ाग का क्या अर्थ है।

3 निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 3+2=5

(क) एकदा बहवः जनाः धूमयानं (रेलगाड़ी) आरूध नगरं प्रति गच्छन्ति स्म। तेषु कचित ग्रामीणाः केचिच्च नागरिकाः आसन्। मौनं स्थितेषु तेषु एकः नागरिकः ग्रामीणान् उपहसन् अकथयत्।। ग्रामीणाः अद्यपि पूर्ववत् अशिक्षिताः अज्ञाश्चसन्ति न तेषां विकासः अभवत् न च भवितुम शक्नोति। तस्य तादृशं जल्पनं श्रुत्वा कोडपि चतुरः ग्रामीणः अब्रवति।। भद्र नागरिक। भवान एव चिञ्चित् ब्रवीतु यतो हि भवान शिक्षितः बहुज्ञः च अस्ति।''

(ख) इयं नगरी विविधधर्माणां सङ्गमस्थली। महात्मा बुद्धः तीर्थकरः पार्श्वनाथः शङ्कराचार्यः, कबीरः, गोस्वामी तुलसीदास अन्ये च बहवः महात्मानः अत्रागत्य स्वीयान् विचारान् प्रासारयन्। न केवलं दर्शने, साहित्यें, धर्मे अपितु कलाक्षेत्रेऽपि इयं नगरी विविधानां कलानां, शिल्पानाञ्च कृते लोके विश्रुता। अत्रत्याः कौशेयशाटिकाः देशे–देशे सर्वत्र स्पृहान्ते। अत्रत्याः प्रस्तरमूर्तयः पृथिताः इयं निजां प्राचीन परम्पराम् इदोनोमपि परिपालयति।

4. निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद कीजिए:–3+2=5

(क) बन्धनं मरणं वापि जयो वापि पराजयः।
उभयत्र समो वीरः वीर भावो हि वीरता।।

(ख) ''सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भाग् भवेत्।।''

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए:– 2+2=4

(क) वाराणसी नगरी केषां सङ्गमस्थली अस्ति।
(ख) ज्ञानं सर्वत्र सम्भवति इति कः अन्वभवत्
(ग) चन्द्रशेखरः कः आसीत्।
(घ) भारतीयः संस्कृते मूलं किमस्ति।
(ङ) भूमेः गुरूतरं किम् अस्ति।

6. निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक प्रमुख रचना का नाम लिखिए:– 3+2=5

(क) आचार्य राम चन्द्र शुक्ल
(ख) जयशंकर प्रसाद
(ग) राजेन्द्र प्रसाद
(घ) भगवत शरण उपाध्याय

7. निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक प्रमुख रचना का नाम लिखिए:– 3+2=5

PDF Hindustanknowledge.com

(क) तुलसीदास
(ख) महादेवी वर्मा
(ग) सुमित्रानन्दन पन्त
(घ) सूरदास

8. अपनी पाठ्य पुस्तक के संस्कृत खण्ड के कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। 2×1=2

9. स्वपठित खण्डकाव्य मेवाड़ मुकुट के नायक की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए। 3×1=3

अथवा

मेवाड़ मुकुट के प्रथम सर्ग 'अरावली' का सारांश लिखिए।

10. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए:– 9

(क) विज्ञान वरदान या अभिशाप
(ख) देशप्रेम
(ग) भ्रष्टाचार की समस्या
(घ) स्वच्छ भारत अभियान

PDF Hindustanknowledge.com